प्रीलिम्स फैक्ट्स : 1 जून, 2018

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-01-06-2018

अमित खरे बने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव
Amit Khare became Secretary of the Ministry of Information and Broadcasting

1985 बैच के आईएएस अधिकारी श्री अमित खरे ने 31 मई को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव का पदभार संभाला। इस पद से श्री नरेन्द्र कुमार सिन्हा, आईएएस सेवानिवृत हुए हैं।

- नियुक्ति के पूर्व श्री खरे झारखण्ड सरकार में अपर मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थे। झारखण्ड सरकार में अपर मुख्य सचिव के पद पर नियुक्ति से पूर्व श्री खरे झारखण्ड सरकार के वित्त और योजना विभाग में मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थे।
- उन्होंने भारत सरकार के रसायन व उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग में सदस्य सचिव तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में भी अपनी सेवाएँ दी हैं।
- श्री खरे ने आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए की डिग्री हासिल की है। उन्होंने साइराक्यूज़ विश्वविद्यालय, यूएसए से लोक प्रशासन में भी प्रमाण पत्र प्राप्त किया है।

इंडो-पैसिफिक कमांड
Indo-Pacific Command

हाल ही में अमेरिका ने अपने सबसे पुराने एवं सबसे बड़े सैन्य कमांड का नाम बदलकर इंडो-पैसिफिक कमांड करके भारत के महत्त्व को प्रदर्शित किया है। पहले इस कमांड का नाम पैसिफिक कमांड था। अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में चीन के बढ़ते प्रभाव के मद्देनज़र यह निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य चीन के बढ़ते आर्थिक एवं सैन्य प्रभाव को नियंत्रित करना है।

- हिंद और प्रशांत महासागर में बढ़ती कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए अमेरिका ने यूएस पैसिफिक कमांड का नाम बदलकर इंडो-पैसिफिक कमांड कर दिया हैं। यह अमेरिका की मुख्य लड़ाकू कमांड है जिसके अंतर्गत बहुत से अन्य देश भी शामिल हैं।
- प्रशांत एवं हिंद महासागर के साझेदारों के साथ अमेरिका के संबंध क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखने के लिये बहुत महत्त्वपूर्ण हैं।
- वर्तमान में भारत समेत प्रशांत क्षेत्र में निगरानी के लिये पैसिफिक कमांड में तकरीबन 3,75,000 सैन्य और असैन्य कर्मियों को शामिल किया गया है।

यूएस पैसिफिक कमांड

- दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूएस पैसिफिक कमांड अथवा पैकोम का गठन किया गया था। हालाँकि, यहाँ यह जानना अधिक महत्त्वपूर्ण है कि कमांड का नाम बदलने का अर्थ यह नहीं है कि अमेरिका द्वारा इस क्षेत्र में अतिरिक्त संसाधन भेजे जाएंगे, बल्कि इसका अर्थ यह है कि यह भारत की बढ़ती सैन्य एवं आर्थिक प्रगति को महत्त्व दे रहा है।
- वर्ष 2016 में अमेरिका और भारत के बीच एक-दूसरे के सैन्य अड्डों के इस्तेमाल हेतु एक समझौता किया गया था ताकि सैन्य संसाधनों की आपूर्ति एवं मरम्मत हेतु एक-दूसरे की सहायता की जा सके।

संतोकबा ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड
Santokba Humanitarian Award

30 मई, 2018 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी और इसरो के पूर्व अध्यक्ष ए.एस. किरण कुमार को 'संतोकबा ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड' से सम्मानित किया। इस अवार्ड के तहत दोनों को एक-एक करोड़ रुपए की धनराशि और ट्रॉफी प्रदान की गई।

- जहाँ एक ओर कैलाश सत्यार्थी ने पुरस्कार के रूप में प्राप्त धनराशि को बच्चों के कल्याण के लिये सुरक्षित बचपन फंड को दान में देने की घोषणा की, जबकि ए.एस. किरण कुमार ने इस पुरस्कार राशि को अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अनुसंधान तथा विकास कार्यों के लिये समर्पित करने की घोषणा की।
- हर साल श्री रामकृष्ण फाउंडेशन द्वारा यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने समाज में सुधार के लिये बड़े पैमाने पर काम किया है।
- पूर्व में प्रमुख उद्योगपति रतन टाटा, तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा, सुधा मूर्ति, डॉ. एस. स्वामीनाथन, सैम पित्रोदा और वर्गीस कुरियन को भी इस पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

आंध्र प्रदेश के नए राजकीय प्रतीक
New political symbol of Andhra Pradesh

2 जून, 2014 को तेलंगाना के गठन के चार वर्षों बाद आंध्र प्रदेश ने नए राजकीय चिन्हों की घोषणा की है। यह घोषणा आंध्र प्रदेश के पर्यावरण, वन, विज्ञान तथा तकनीकी विभाग द्वारा की गई है। इस घोषणा में आंध्र प्रदेश के राजकीय पशु, राजकीय पक्षी, राजकीय वृक्ष तथा राजकीय फूल की घोषणा की गई है।

क्र.सं.	प्रतीक	नाम	वैज्ञानिक नाम
1.	राजकीय फूल	चमेली (Jasmine)	Jasminum officinale
2.	राजकीय पशु	कृष्ण मृग (Black Buck)	Antilope cervicapara
3.	राजकीय पक्षी	रामा चिलुका (Rose-ringed parakeet or parrot)	Psittacula krameri
4.	राजकीय वृक्ष	नीम (Neem)	Azadirachta indica